पंजीकृत क्रमांक : S-385/1949-50

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद

केंद्रीय कार्यालय : 3, मार्बल आर्च, सेनापति बापट मार्ग, माटुंगा रोड (प.रे.), माहिम, मुंबई - 400016

+91 22 24306321/24378866 24313938 abvpkendra@gmail.com www.abvp.org

दि. 21 अप्रैल 2024

-:प्रेस विज्ञप्ति:-

अभाविप ने संदेशखाली घटना पर राष्ट्रपति को प्रेषित किया 6 सूत्रीय ज्ञापन।

संदेशखाली को भयमुक्त बनाने के लिए केंद्रीय बलों की तैनाती की जाये : अभाविप।

'संदेशखाली घटना की पीड़िताओं को इस जघन्य घटना के प्रभाव से उबारने के लिए हो हरसंभव सहायता।'

पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में तृणमूल कांग्रेस के नेताओं द्वारा महिलाओं के सामूहिक यौन उत्पीडन, जमीन हड़पने जैसे जघन्य अपराधों की घटना मामले में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् ने भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को ज्ञापन प्रेषित कर छह सूत्री ज्ञापन के माध्यम से निष्पक्ष जाँच द्वारा पीड़ित-पीड़िताओं को शीघ्र न्याय दिलाने एवं इस मामले में जाँच का जिम्मा केंद्रीय एजेंसियों को देकर शीघ्र सही निष्कर्ष पर पहुंचकर कार्रवाई करने, पश्चिम बंगाल में महिलाओं पर हो रहे अपराधों पर अंकुश लगाने, इस घटना की वास्तविकता को सामने लाने हेतु पीड़िताओं एवं साक्षियों हेतु सुरक्षित एवं सुगम हेल्पलाइन नंबर जारी करने, न्याय की सुगमता सुनिश्चित करने हेतु पीड़िताओं को निःशुल्क कानूनी सहायता प्रदान करने, इस भयावह घटना से शीघ्र उबरने हेतु मनोचिकित्सकीय परामर्श सत्र उपलब्ध कराने एवं संदेशखाली को भयमुक्त बनाने हेतु केंद्रीय बलों की तैनाती की माँग अभाविप ने की है।

सन्देशखाली की घटना पश्चिम बंगाल में महिलाओं के ऊपर हो रहे अत्याचार एवं महिला असुरक्षा का चिट्ठा खोलने वाली वाली है। इस सम्बन्ध में लगातार अपराधियों को शरण दे रही पश्चिम बंगाल की ममता सरकार, पीड़ित महिलाओं को न्याय दिलाने एवं सुरक्षित वातावरण स्थापित करने में मुख्य बाधक है।

सन्देशखाली की वीभत्स घटना के विरुद्ध अभाविप के नेतृत्व में विगत दिनों में देशभर के 250 विश्वविद्यालय परिसरों सहित 450 से ज्यादा जिलों के कुल 910 स्थानों पर लाखों छात्र-छात्राओं ने अपना आक्रोश प्रकट कर कार्रवाई की माँग की है । 5 मार्च को दिल्ली स्थित बंगभवन व कोलकाता में संदेशखाली घटना के विरुद्ध विशाल प्रदर्शन, 11 मार्च को 'उत्तरकन्या अभियान' के तहत सिलीगुड़ी के छात्र आंदोलन में बड़ी संख्या में उपस्थित विद्यार्थियों ने इस घटना पर चिंता जताई तथा कार्रवाई की माँग की।

अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री श्री याज्ञवल्क्य शुक्ल ने कहा, " संदेशखाली घटना के बाद से ही अपने आक्रोशपूर्ण आंदोलनों के माध्यम से देश के बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने महिलाओं के पक्ष में न्याय की माँग की। परन्तु 'निर्ममता' सरकार के साथ अपराधियों का गठजोड़ न केवल पीड़ित महिलाओं को न्याय मिलने में बाधक है बल्कि पीड़िताओं एवं साक्षी व्यक्तियों के लिए सन्देशखाली में असुरक्षा की भावना घर कर गई है, वहां से पलायन की घटनाएं भी सामने आईं हैं। पीड़ित महिलाओं को न्याय सुनिश्चित कराने एवं संदेशखाली में सामान्य वातावरण स्थापित करने हेतु अभाविप ने महामहिम राष्ट्रपति जी को छह सूत्री यह ज्ञापन विद्यार्थी परिषद ने प्रेषित किया है, आशा है शीघ्र कार्रवाई होगी।"

(यह प्रेस विज्ञप्ति केन्द्रीय कार्यालय मंत्री श्री दिगम्बर पवार द्वारा जारी की गयी है।)